A-0399

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

MAJY-508

ग्रहण, वेध–यन्त्र तथा गोल परिचय–02

MA Jyotish (MAJY)

2nd Semester, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x19=38]

Q.1. आधुनिक युग में प्राचीन वेधशालाओं की प्रासङ्गिकता पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

Q.2. धीयन्त्र का परिचय दीजिए।

Q.3. चन्द्रग्रहण के स्वरूप एवं प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

Q.4. लम्बन एवं नति के स्वरूपों का वर्णन करते हुए इनकी आवश्यकताओं को बताइए।

Q.5. धार्मिक दृष्टि से ग्रहणों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x8=32]

Q.1. चन्द्रग्रहण में इष्टग्रास साधन विधि को बताइए।

Q.2. क्षेत्र प्रदर्शन पूर्वक सम्मीलन एवं उन्मीलन को परिभाषित कीजिए।

Q.3. ग्रहण साधन में शर के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

Q.4. वलन क्या है? इसके भेदों का परिचय दीजिए।

Q.5. क्षेत्र प्रदर्शन पूर्वक नाडी एवं क्रान्ति वृत्त का परिचय दीजिए।

P.T.O.

Q.6. दिगंश एवं दृग्ज्या में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Q.7. क्षेत्र प्रदर्शन पूर्वक लग्न, एवं वित्रिभ लग्न, एंव विभिन्न लग्न का परिचय दीजिए।

Q.8. देशान्तर एवं अक्षांश का परिचय देते हुये स्वस्थान का वर्णन कीजिए।

****